अखन्ड भारत चले धीरे इठलाकर क्यो ?

हम भारत की तरक्की नही चाहते है चौकिये मत यह सच है । क्योकि भारत की तरक्की हो गई और गरीब भारत से मिट गये तो हमारे घर का चौका बासन कीन करेगा, कपडे कौन धोयेगा, घर के नौकर कहाँ से आयेगे, जब हम ऐसे भारत के बारे मे सोच ही नही रहे है तो भारत कैसे ऐसा बनेगा । आईये एक सूची बना लेते है, आप भी उसमे सन्शोधन कर सकते है या कुछ और भी जोड सकते है ।

- छोटी सरकार सुखी नगरिक, सरकार का ढ़ाचा बदल डालो, सरकारी तँत्र का वोझ हल्का करो जनता पर ।
- जनता अंग्रेजी समय मे सरकार की गुलाम थी पर अब मालिक है इसलिये सरकार को जनतंत्र कहो ।
- सरकार की जबाबदेही जनता के साथ होनी चाहिये क्योकि नता सर्वौपरी है ।
- सर्विजनिक कर्मचारी हो या नेता, जनता करे ईनकी तनखा का, तरक्की का या बरखस्तगी का ।
- IAS को समाप्त करो, कमिशनो को बन्द करो, जनमत से फैसला करो ।
- र्ग्वनरो, कमिशनरो, जिला, तालुका, अधिकारियो की क्या आवश्यकता है जब जनता से जनियत नेता है ।
- हर प्रान्त मे एक सदन होना चाहिये दो नही, राज्य सभा को भी भंग करो, राष्ट्रपति का चुनाव सीधे हो।
- हर पद पर दो बार से ज्यादा चुनाब नहीं, ओरो को भी मौका दो भाई जनता की सेवा करने का ।
- दो बार हो चुनाव एक बार सबका, फिर पहले दो उपर बालो का । जजो का भी सअबधि चुनाव हो ।
- ट्रान्सफर नीति बन्द करो, तीन गलतिया माफ पर उसके बाद पदच्युत हर सार्वजनिक कर्मचारी की ।
- तीन टैक्स हो एक राष्ट्र का, प्रान्त का, तीसरा जिले का, ग्रामसभा चाहे तो ग्राम का भी ।
- घरो पर टैक्स आज की कीमत पर लगे, तभी मुन्सपैलटिया चल पायेगी, आज की जरुरतो को पूरा करेंगी।
- जमीनो के कागजात कम्पूटर पर हो, बदलाव आसन न ह,ो तभी मुकदमे कम होगे ।
- मालगुजारी को बन्द करो, ग्रामसभा ले मागुजारी और हर गाँव मे स्कूल चले उससे ।
- जैसे तेल पर उत्पादन शुल्क लगता है उसी तरह पानी पर भी लगे, क्या मुन्सपैलटियाँ पानी नही बेचती है।
- देश की आन्तरिक या बहारी सुरक्षा के आलावा हर विभाग अपना खर्चा खुद उठाये ।
- राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, मुख्य मंत्री के आलाबा किसी को भी निवास, घर या घरेलू नौकर नही दिये जायें ।
- कुछ बिभागो को बन्द कर दिया जाय पानी बिजली राशन विस्थापित सफाई सपलाई देृजरी ईत्यादि ।
- जैसे हम बिचार व्यक्त करने के लिये स्वतंत्र है काम करने के लिये भी स्बतंत्र होना चाहिये ।
- सर्विजनिक कर्मचारियो को जनता पर राज करने की बजाय, जनता की सेवा का मनोबल बनाना होगा ।
- पानी का सबको मूल्य देना होगा, पानी से सफाई बन्द करो ताकि कीचड कम बनेगी, हवा से करो ।
- जब हमे बिजली की चोरी करना आता है , उत्पादन सरकार के हाथ मे क्यो यह व्यवस्था जनता स्वयं करे।
- रेले भी जनता चलाये क्योकि जब हम बिना टिकट यात्रा करना सीख गये है, तो उनको चलाना भी आयेगा।
- सर्विजनिक नौकरिया ठैके पर दी जानी चाहिये, र्सवजनिक कोष मे बृध्दि होगी । क्योकि कुर्सी पर बैठ कर सबको पैसा कमाना आ जाता है नेताओ ही उसका ज्वल्नत उदाहरण है देख लिजिये ।
- जो काम सरकार से करवाना चाहते हो तो तीब गुना खर्चा होगा कुोकि कोई चीज मुफ्त नही होती है ।
- जब मित्तल जी दुनिया मे लोहे के कारखाने चला रहे तो देश मे सरकार क्यो चला रही है ।
- योग व सफाई पर ज्यादा ध्यान देना होगा यदि बीमारी पर कम खर्चा करना चाहते हो ।
- सरकारी प्लानिग काम नही कर रही है क्योकि जिनके लिये प्लान नाये जाते है उनके सुझाव नही होते है ।
- किसी का भी उत्थान मुफ्त नही अपने से नीचे बालो का तुम करोगे यदि तुम्हारा हम करेगे प्रण करवाऔ ।
- रेलवे को सारे देश मे गन्दगी फैलाने से रोका जाय, सफाई भगवान का दूसरा नाम है ।
- मनीऑडिर व्यवस्था बन्द करो। देशमे नये समाज की नीव न्यायिक, बराबरी व विश्वास पर आधारित हो ।
- हर किसी को सपना भारत कैसा हो देखना चाहिये क्योकि जो सपने हम अपने पुरे नही कर पाते है हमारी आने वाली पीढ़ी करेगी ।
- प्रोत्साहन व सहास जरुरी है जो आत्मर्निभर बनायेगा, प्रलोभन, या आरक्षण नही जो हमे पंगु बनायेगा ही।

रश्मि उमेश रोहतगी नौवी मिचिगन अमरीका छः सितम्बर दो हजार तीन भारत यात्रा के दौरान

24161 Nilan Drive Novi MI 48375-3754 USA phone:(248)-471-5786
web page :www.rurohatgi.com email:rurohatgi@yahoo.com